(b) The Chinese Foreign Minister expressed the view that the sale of Chinese arms would not undermine peace and stability in any region of the world.

Production targets in Petroleum Sector

*439. DR. MURLI MANOHAR JOSHI:
SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what is the estimated production target of petroleum and Natural Gas in 1994-95 and the actual production in the first four months of the year;

(b) what is the estimated quantity of crude oil import for 1994-95 together with the estimated cost, the quantity already imported month-wise and the value thereof; and

(c) whether there has been any success in finding new sources of oil in the country during the past two years, if so, the details and the potential of production?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) The target for crude oil Production during 1994-95 is 32.299 million tonnes. The natural gas production during the year is expected to be about 18,929 MMm^3. The actual production of crude oil and natural gas during the four month period—April to July 1994 has been 9.643 million tonnes and about 6413 MMm^3, respectively.

(b) The import of 24.23 million tonnes of crude oil at an estimated cost of US $ 2950 million for the year 1994-95 has been envisaged. During the period April—July 1994, a quantity of 9.264 million tonnes of crude oil valued at US $ 1051.76 million has been imported.

(c) During the period 1992-93 and 1993-94, 18 new oil finds were established. These are under different stages of assessment/ delineation. The production potential will be known after completion of assessment/ delineation of these finds.

अहमदाबाद में साबरमती नदी में प्रदूषण

*440. श्री अनन्तराव देवशंकर देव:
श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल:

क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या साबरमती नदी में बड़े पैमाने पर औद्योगिक कचरा बहाए जाने को ध्यान में रखते हुए सरकार के पास इस नदी में से अत्यधिक प्रदूषित जल को अलग करने और कचरे को पाइप लाइन द्वारा खम्भात की खाड़ी में बहा कर नदी को स्वच्छ करने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो उक्त योजना कब तक कार्यान्वित कर दी जाएगी; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने औद्योगिक कचरे और रसायनिक पदार्थों द्वारा प्रदूषित जल को उक्त नदी में छोड़े जाने को रोकने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या नदी के दोनों किनारों पर पेड़ लगाने की कोई योजना है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) और (ख) गुजरात में साबरमती नदी इसके अहमदाबाद वाले क्षेत्रों में औद्योगिक बहिस्राव मिश्रित घरेलू अपशिष्ट जल छोड़े जाने के कारण, प्रदूषित पायी गई है। पाइप लाइन द्वारा बहिस्राव के काम्बे की खाड़ी में विसर्जन के लिए सरकार की कोई योजना नहीं है। तथापि, राष्ट्रीय नदी कार्य योजना के तहत इस नदी को साफ करने के लिए पर्यावरण और वन मंत्रालय का एक कार्यक्रम है जो सरकार के विचाराधीन है। इसके क्रियान्वयन का प्रश्न तभी उत्पन्न होगा जब विस्तृत स्कीमें तैयार कर ली जाएंगी और अनुमोदित हो जाएंगी।

(ग) और (घ) साबरमती नदी में औद्योगिक और रासायनिक प्रदूषण को रोकने के ध्येय से गुजरात राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रदूषक उद्योगों को बहिस्राव शोधन हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों का पालन न करने वाले उद्योगों पर मुकदमा चलाया गया है। वात्वा स्थित कुछ लघु औद्योगिक इकाइयों ने एक सहकारी समिति बनाई है और एक सांझा बहिस्राव शोधन संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है।

(ङ) जी, हां। राष्ट्रीय नदी कार्य योजना के तहत साबरमती नदी के प्रदूषण वाले क्षेत्रों के किनारे वनीकरण का प्रस्ताव है।